

भारत का यजमान  
The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 45] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 6, 1982/फल्गुन 15, 1903  
No. 45] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 6, 1982/PHALGUNA 15, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वाणिज्य मंत्रालय  
नियत व्यापार नियंत्रण  
सार्वजनिक सूचना संख्या-10-ईटीसी(पोएम)/82  
नई दिल्ली, 6 मार्च, 1982

विषय:—1981-82 के दौरान पशु और कुम्हुट आदि के मिथिल घारे का नियंत्रण।

मिथिल संख्या-38(12)/82-ई-2:—1981-82 के लिए नियंत्रण नीति के नीति विवरण  
पृष्ठ सं० 15 पर नम सं० 41(3) की ओर व्यान दिलाया जाता है जिस के मनुसार पशु और  
कुम्हुट आदि के मिथिल घारे का नियंत्रण पहले आगे सो पहले पाए के आधार पर सीमित उच्चतम  
सीमा के भीतर अनुमेय है।

2. यह नियंत्रण किया गया है कि आलू साइर्सेंस वर्षे 1981-82 के लिए पशु और कुम्हुट  
आदि के घारे के नियंत्रण के लिए उच्चतम सीमा रिहा की जाए। मध्यम उच्चतम सीमा संयुक्त

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण के लिए रक्षा दी गई है जो पाइयो द्वारा 100% पक्के अपरिवर्तनीय साथ पत्तों या प्राप्ति अधिक भुगतान के मद्देन पहले प्राप्ति में पहले पाए के आधार पर नियंत्रण की अनुमति देगा।

मणि नारायणस्वामी, मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण

MINISTRY OF COMMERCE

EXPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 10-ETC(PN)/82

New Delhi, the 6th March, 1982

Subject.—Export of Compound Cattle and Poultry Feeds during 1981-82.

**File No. 38(12) '82-EII.**—Attention is invited to S. No. 41(iii) at page 15 of the Policy Statement of Export Policy Book, 1981-82 according to which export of Compound Cattle and Poultry Feed is allowed within a limited ceiling on first-come, first-served basis.

2. It has been decided to release a ceiling for export of Compound Cattle and Poultry Feeds for the current licensing year 1981-82. The entire ceiling has been placed at the disposal of Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, who will allow export on first-come, first-served basis against 100% confirmed irrevocable Letters of Credit or advance payment received by the parties.

C. VENKATARAMAN, Addl. Secy.